# बोकारो में बर्ड फ्लू का प्रकोप

## चर्चा में क्यों?

एक अधिकारी ने झारखंड के **बोकारो ज़िले में बर्ड फ्लू के प्रकोप** की सूचना दी, लगभग एक महीने पहले इस **बीमारी के कारण रांची में 5,500 पक्षियों को मार दिया गया था।**

केंद्र ने 7 मार्च 2025 को **झारखंड के मुख्य सचिव को एक पत्र जारी करके एवियन इन्फ्लूएंजा के H5N1 स्ट्रेन** के कारण होने वाले प्रकोप की पुष्टि की।

## मुख्य बिंदु

- **प्रकोप की उत्पत्ति:**
  - अधिकारियों ने पता लगाया कि यह बीमारी बोकारो के सेक्टर 12 स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में फैली है, जहाँ **पहले ही लगभग 250 पक्षी मर चुके थे।**
- **रोकथाम के उपाय:**
  - 8 मार्च 2025 को बोकारो प्रशासन ने केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के निर्देशों का पालन करते हुए **46 पक्षियों को मार दिया और 506 अंडों को नष्ट कर दिया।**
  - अधिकारियों ने 1,717 किलोग्राम पोल्ट्री फीड भी नष्ट कर दिया तथा आगे प्रसार को रोकने के लिये **पूरे फार्म को संक्रमण मुक्त कर दिया।**
- **प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित:**
  - **प्रभावित फार्म के चारों ओर 1 किलोमीटर की परिधि को संक्रमित क्षेत्र घोषित किया गया है,** जहाँ सभी पक्षियों को मार दिया जाएगा।
  - **10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित कर दिया गया है**, जिसमें मुर्गी की बिक्री और खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
  - अधिकारियों ने **जनता को सूचित करने के लिये जागरूकता अभियान शुरू किया है।**
- **झारखंड में बर्ड फ्लू के मामले:**
  - इससे पहले फरवरी 2025 में राँची के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (BAU) में बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था, जिसके कारण 5,488 पक्षियों को मार दिया गया था।

## H5B1 बर्ड फ्लू क्या है?

- **पृष्ठभूमि:**
  - **एवियन इन्फ्लूएंज़ा A(H5N1) अथवा H5B1 बर्ड फ्लू** एक अत्यधिक रोगजनक जीवाणु है जो मुख्य रूप से पक्षियों में संचरित होता है किंतु स्तनधारियों को संक्रमित कर सकता है।
  - H5N1 की उत्पत्ति वर्ष 1996 में **चीन** में एक जीवाणु के प्रकोप से हुई और तेज़ी से एक अत्यधिक रोगजनक प्रभेद (Strain) में विकसित हुआ।
  - वर्ष 2020 के बाद से, यह **यूरोप, अफ्रीका, एशिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका** और **अंटार्कटिका** में फैल गया।
  - भारत में वर्ष 2015 में महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में H5N1 संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया।
- **पशुओं पर प्रभाव:**
  - वन्य पक्षी, जिनमें **कैलिफोर्निया कोंडोर** जैसी संकटापन्न जातियाँ भी शामिल हैं, H5N1 से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।
  - इसके प्रभावित होने वाली मुख्य प्रजाति मुर्गी थी।
  - **सी-लायन्स और डॉल्फिन** जैसे समुद्री स्तनधारियों को चिली तथा पेरू जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मौत का सामना करना पड़ा है।
  - **उत्तरी अमेरिका में लोमड़ी, प्यूमा, भालू** जैसे स्तनधारी और स्पेन व फिनलैंड में फार्म मिंक भी संक्रमित हो गए हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bird-flu-outbreak-in-bokaro